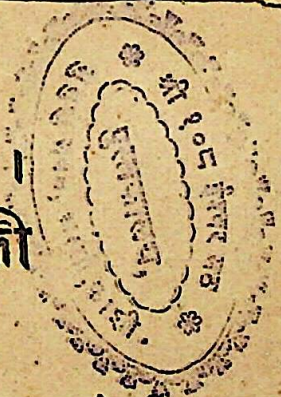


ॐ
वेदान्त बारहमासा ।
प्रार्थना शिष्य की
१ चैत्र



चैत्र चतुर मुमु क्षुजन एकशरण गुरां की आया
जी । प्रश्न कियो कर जोड़ निकट व्है पाद पद्म
शिरनाया जी । त्रिविध ताप संताप करै उर तृष्णा
ने बहुत सताया जी । श्री गुरु देव दीन लखि
मुझ को करो कृपा करि दाया जी ॥ १ ॥

226
226

(२)

२ वैशाख

उपदेश गुरुका

वैशाख विचार कहन गुरु लागे नित प्रातः स्नान
करो । संध्या कर एकांत बैठ नित त्रिपदा का उर
ध्यान धरो । पूजन तर्पण बैश्व देव ऽतिथी पंच
यज्ञानित कर्म करो । जरै दोष बिक्षेप मलादिक तौ
पथ ज्ञान के पांव धरो ॥ २ ॥

३ ज्येष्ठ

प्रार्थना शिष्य की

ज्येष्ठ जगत के सुख के सब साधन कर्म उपासन
 ध्यान गुरो । मै निष्काम किये ये सबही नहीं कछु
 सुख को भान गुरो । सतचित आनंद रूप हमारो
 वेद करे इमगान गुरो । श्री गुरुदेव भेवन ही
 जान्यो मैं दुःखी दीन अजान गुरो ॥ ३ ॥

(४)

४ आषाढ

उपदेश गुरुका

आषाढ हर्ष प्रसन्न भये गुरो जान्यो शिष्य
अधिकारी है । है गुरु भक्त विरक्त शांत चित
अज्ञा यथोचित कारी है । शम दम श्रधा उपरति
तितिक्षा मोक्ष इच्छा उरभारी है । सच्चिदानंद
लख्यो उर चाहत दोष रहित ब्रह्मचारी है ॥ ४ ॥

(५)

५ श्रावण

उपदेश

श्रावण शमन कियो मन चाहे विषवत विषय
बिसारे जी । अहर निश पढे अध्यात्म विद्या क्षमा
दया उर धारे जी । तत्व ज्ञान मन नाश बासना
क्षयकर ताप निवारे जी । सच्चिदानंद स्वरूप लखे
जब षढ उरमी दुःख टारे जी ॥ ५ ॥

(६)

६ भादो

उपदेश

भादों भ्रम मिटावन के हित गुरु मुखतैं श्रुति
श्रवन करे । जब अवकाश देखे गुरु के ढिग श्रवण
किया सोई मनन करे । कर निद ध्यासन विकल्प
रहित चित तव सूक्ष्म दृगदृष्टि पढे । सच्चिदानंद
स्वरूप तिहारो देसकाल बरुतते परे ॥ ६ ॥

(७)

७ अश्विन

उपदेश

अश्विन आत्म भिन्न अनात्म जो दृग दृष्टी
आवे जी । सो सब बुद्धी बिलास सुयुप्ती में लीन
जगत होजावे जी । पंच कोश मन बुद्धी बर्ग जड़
इनकर नजर न आवे जी । सच्चिदानंद स्वरूप
तिहारो स्व अनुभव ही से पावे जी ॥ ७ ॥

(८)

८ कार्तिग

उपदेश

कार्तिग काम करन युत बुद्धी तामें चैतन बिम्ब
परै । सुख दुःख इच्छा धर्मादिक को बुद्धि ही आकर
धरे । मति अध्यस्त आप चैतन मे तूसा क्षीमन
बुद्धी परे । सच्चिदानंद स्वरूप तिहारो शोक मोह
जन्मादि परे ॥ ८ ॥

(६)

६ मंगशिर

उपदेश गु०

मंगशिर मनके मारन कारण प्रथम तो सत्संग
करै । फिर अभ्यास बैराजादिक कर आसा तृष्णा
के प्राण हरै । मारे काम क्रोध मद मत्सरतानि
बृत्ती सो प्रीति करै । तत् पद त्वं पद वाच्य भाग
तज असी पद लक्ष अभेद करै ॥ ९ ॥

(१०)

पौष १०

उपदेश गु०

पौष परम गति पावै सोई जेहि सत्संगत प्यारा
है । पाप कटत सत्संगत से चित बिमल बोध उजी
यारा है । सत्संगत पथमुकि होन को श्रुति ने ढेर
पुकारा है । त्रिविध ताप उर त्रिविधि पाप कटवै को
सत्संगति आरा है ॥ १० ॥

११ माघ

कहना शिष्य का

माघ मगनशिष्य कहन अब लागो पायो मैं परमा-
नंद गुरो । ज्यों मृगराज बिसार प्राक्रम चुगे अजा
के संगगुरो । त्यों जड़ इन्द्रियन के बसमें पडो मोह
के फंदगुरो । मैं नहीं जीव ब्रह्म परि पूरण भूमा
सच्चिदानंद गुरो ॥ ११ ॥

(१२)

१२ फाल्गुण

फाल्गुण फिर कर अमर नाथ से काशी का ब्रह्म
चारी है । रहो चौमासा लाहौर शहर में तिन प्रश्न
कियो हितकारी है । स्वामी जी पास अनैत आश्र
म के शिष्यभाव अधिकारी है । सच्चिदानंद स्व
रूप नाम जिन यह बारहमासि उचारी है ॥ १२ ॥

ग्रहीजे दरिद्री भये सग्रही सन्यासी भये योगी
 संयोगी मन्माया में मिलाया है । तपस्वी रोजगारी
 व्यभिचारी ब्रह्मचारी भये कपट को स्वांग बहुलोगन
 बनायो है । सुम भये स्वामी पुन सेवक जो हरामी
 भये कामी भये पंडित जिन मांगनाही ठहरायो है ।
 कीजिये सहाय जू कृपाल श्री गोविन्द लाल कठिन
 कराल कलिकाल चढ आयो है ॥ १ ॥

विज्ञापन

जिसको यह पुस्तक संगानो हो तो इस पते से मंगालेव

लाला फकीर चंद जीहरी चांदनी चौक
 देहली

कृतोत्तमजी तो चढ़ मेव याज्ञा
भोत्तमजी तो बढ मेव याज्ञा
तो पो न त पूव यमेव त पू
तित्तमजी तो चढ मेव याज्ञा

सूचना

इस पुस्तक को ग्रंथ कर्ता के अज्ञा बिना न कृपावै ।

—प्रकृति सौन्दर्य	ठा० कल्याण सिंह	२।)
—आदर्श अंग्रेजी शिक्षा	रामलोचन शरण	॥)
—बंगला शिक्षक	कार्तिकेयचरण मुखोपा०	॥।)
—आरम्भिक शिक्षा	रामदास गौड़	≡)॥
—सचित्र भारत	रमाशंकर सिंह	२)
—प्रेम पत्र	गिरीशचन्द्र जोशी	२)
—नवीन सन्तति शास्त्र	सैयद कासिम अली	३)
—मारवाड़ी गीत ४ भाग	 प्रत्येक	१)
—युरोप में सात मास	धर्मचन्द खरावगी	३)

पाठ्यक्रम की पुस्तकें

शिशुवर्ग—अ श्रेणी (प्रथम छः मास)

१—वर्णमाला या	श्री दामोदर प्रसाद	॥=)
वर्णवाटिका १ला भाग	ठाकुर रामाशीष सिंह	१)
२— अङ्क प्रकाश		=)॥
३—रामायण वर्णमाला	रामनिरञ्जन शर्मा	॥।)

शिशुवर्ग—ब श्रेणी (द्वितीय छः मास)

१—वर्णमाला	श्री दामोदर प्रसाद	॥=)
२—वर्ण वाटिका २-रा भाग	श्री रामाशीष सिंह	॥=)
३—बाल नीति कथा	पं० रमाकान्त त्रिपाठी	॥।=)
४—भोषट भोला	श्री रामनिरञ्जन शर्मा	॥=)
५—भकुआ-मोहन		॥=)
६—बाल प्रार्थना		१)
७—बाल भजनमाला	श्री रामकुमार गोयनका	=)॥
८—व्यापार गणित १ला भाग	श्री रामकिशोर अग्रवाल	≡)॥
९—हिन्दी लिपि बोध १ला भाग		१)॥

कक्षा १ली (Class I)

१—बाल वाटिका १ला भाग	श्री सूर्यदेव ओझा बी० ए०	॥।)
२—बाल श्रीराम कथा	श्री कार्तिकेयचरण मुखो०	॥।=)
३—मीठी-मीठी कहानियाँ	श्री वैजनाथ केडिया	॥।)

५—बाल प्रार्थना		1)
६—बाल भजनमाला	श्री रामकुमार गोयनका	=)11
७—व्यापार गणित २रा भाग	श्री रामकिशोर अग्रवाल	1)
८—कन्याकौमुदी १ली कला	श्री रामदास गौड़ एम० ए०	11)
९—हिन्दी लिपि बोध २रा भाग		1)111

२री कक्षा (Class II)

१—बाल वाटिका २रा भाग	श्री सूर्यदेव ओझा	१=)1
या	बी० ए० बी० एल०	
बाल साहित्य १ला भाग	पं० भुवनेश्वर मिश्र एम० ए०	11=)1
२—बाल श्रीकृष्ण कथा	पं० रामकान्त त्रिपाठी	111-)
३—चोखी-चोखी कहानियाँ	श्री वैजनाथ केडिया	11=)
४—सचित्र परिभाषा भूगोल	पाण्डेय मुदमंगल शर्मा	1-)
५—कलकत्ता का भूगोल	पं० शिवदेव उपाध्याय	11=)1
६—बाल प्रार्थना		1)
७—व्यापार गणित ३रा भाग	श्री रामकिशोर अग्रवाल	1)111
८—कन्याकौमुदी २री कला	श्री रामदास गौड़ एम० ए०	11=)
९—कमला नेहरू	श्री कृष्ण वर्मा	11=)
१०—हिन्दी लिपि बोध ३रा भाग		1)111
११—वच्चों का व्याकरण	श्री रुद्र शास्त्री	1-)
१२—बाल स्वास्थ्य शिक्षा	पं० पारसनाथ चौबे	11)

३री कक्षा (Class III)

१—बाल वाटिका ३रा भाग या	श्री सूर्यदेव ओझा बी० ए०	१1)
बाल भारती या	पं० राममहेश चौबे	111=)
बाल साहित्य २रा भाग	पं० भुवनेश्वर मिश्र एम० ए०	111-)
२—बाल रामायण	श्री गिरिजाकुमार घोष	१111)
३—खेल-खिलौना	ब्रजभूषण प्रसाद	111)
४—महाराणा प्रताप	श्री विश्वनाथ राय एम० ए०	11=)
५—शिशु व्याकरण बोध	पं० भुवनेश्वर मिश्र एम० ए०	111-)
६—भूगोल प्रकृति विज्ञान I	पं० शिवदेव उपाध्याय	१)
७—हमारे देश की कथा I	श्री वशिष्ठनारायण राय	111-)
८—सरल नागरिक शिक्षा I	पं० कृष्णनारायण	111-)

५६६
५५५

फ
330

... ..

॥)

गंगाप्रसाद मौतिका

।)

मुन्नीलाल

१)

खेती और पशुपालन

१—भारत की उपज	रमाशंकर सिंह 'मृदुल'	२॥)
२—सागसब्जी	कार्तिकेयचरण मुखो०	१॥॥)
३—बाग बगीचा	"	२॥)
४—गोपालन शास्त्र और पशु रोगों की चिकित्सा	गिरीशचन्द्र जोशी	२॥)
५—खाद	मुख्तारसिंह वकील	१॥॥)
६—भारत में कृषि सुधार	दयाशंकर दूवे	२॥)

धार्मिक

१—भक्तियोग	अश्वनीकुमार दत्त	३१)
२—रामचरित मानस की भूमिका	रामदास गौड़	५॥)
३—चित्रमय हरिश्चन्द्र		१=)
४—हिन्दी महाभारत सचित्र	रमाकान्त त्रिपाठी	६)
५—भजन प्रकाश	एक भगवद् भक्त	=)
६—हरिकीर्तन भजनावली		=)॥
७—भजनमाला	"हरि"	=)
८—गोपाल सहस्रनाम मूल		॥॥)
९—विष्णु सहस्रनाम मूल		॥)
१०—आरती संग्रह		=)
११—भजन संग्रह पाँच भाग	भजनाश्रम नवद्वीप प्रत्येक	=)॥
१२—दारुका भजन संग्रह	भगवती प्रसाद दारुका	१॥)
१३—प्रेमसागर छोट	लल्लूलाल	२)
१४—रामायण अयोध्याकाण्ड भा० टी०	बाबूराम मिश्र	२)
१५— " अरण्यकाण्ड " "	" "	॥=)
१६— " किष्किन्धाकाण्ड " "	" "	॥=)
१७— " सुन्दरकाण्ड " "	" "	॥=)

१६—रामायण उत्तरकाण्ड भा० टी०	बाबूराम मिश्र	॥३)
२०—, सुन्दरकाण्ड मूल	चोखानीजी	॥३)
२१—, किष्किन्धाकाण्ड मूल	,,	॥३)
२२—भजन संग्रह	,,	५)
२३—मनुस्मृति भा० टीका	जनार्दन भा	४॥) + ५)

स्त्रियोपयोगी

१—आदर्श पाकविधि	गिरीशचन्द्र जोशी	४)
२—सूई शिल्प शिक्षा	उपेन्द्रनाथदास गुप्ता	१॥)
३—सहेलियों के पत्र	रमाशंकर सिंह	२)
४—महिला मण्डल	वैजनाथ केडिया	१॥)
५—धुलाई रँगई विज्ञान	शिवचरन पाठक	२)
६—नारी रहस्य	छविनाथ पाण्डेय	॥=)
७—जेवनार	सत्यवती द्विवेदी	॥३)
८—सावित्री सत्यवान	कात्तिकेयचरण मुखो०	॥१)
९—शैव्या-हरिश्चन्द्र	,,	॥१)
१०—सीता देवी	,,	॥१)
११—सती पार्वती	,,	॥१)
१२—नल-दमयन्ती	,,	॥१)
१३—सती शकुन्तला	,,	॥१)
१४—देवी द्रौपदी	,,	॥१)
१५—पतिव्रता अरुन्धती	जगदीश भा "विमल"	॥१)
१६—पतिव्रता रुक्मिणी	,,	॥१)
१७—पतिव्रता मनसा	,,	॥१)
१८—महासती अनुग्रहा	,,	॥१)
१९—महासती वृन्दा	,,	१॥)
२०—भारतीय वीरांगनाएँ	रामसिंह वर्मा	१॥)
२१—चतुर चन्द्रा (कहानी)	वैजनाथ केडिया	॥=)

बालकोपयोगी जीवनियां

१—वीर अभिमन्यु	चन्द्रदीप नारा० त्रिपाठी	॥३)
----------------	--------------------------	-----